HINDUSTAN PAGE 2

प्रो. हरिकृष्ण अवस्थी छात्र हित में कोर्ट चले गए थे

पितृपक्ष पर 'हिन्दुस्तान' लखनऊ के उन पुरखों को याद कर रहा है जिन्होंने शहर का मिजाज गढ़ा, नई दिशा दी, तरक्की का ताना-बाना बुना। इस कड़ी में आज पं. हरिकृष्ण अवस्थी को नमन।

1917-2001

- नाम: प्रो. हरिकृष्ण अवस्थी
- परिचय: एलयू के पूर्व कुलपति, उन्होंने अपनी पूरी तनख्वाह विश्वविद्यालय को वापस दे दी थी।

लखनऊ। पं. हरिकृष्ण अवस्थी अकेली ऐसी शख्सियत थे जो लखनऊ विश्वविद्यालय में पहले छात्र बने, फिर निर्विरोध छात्रसंघ अध्यक्ष चुने गए, फिर शिक्षक बने और उसके बाद विवि के कुलपति पद तक पहुंचे। उनकी प्रशासनिक कुशलता ही थी कि वह उन चुनिंदा लोगों में से थे जिन्हें बतौर कुलपति कार्यकाल पूरा होने के बाद एक्सटेंशन भी दिया गया।

पं. हरिकृष्ण ने ऐसे कई काम किए जो उनसे पहले या बाद में कोई नहीं कर पाया। ऐसा ही एक काम यह था कि कुलपति रहते हुए उन्होंने अपनी पूरी तनख्वाह विश्वविद्यालय को दे दी, यह कहकर कि विवि ने मुझे बहुत कुछ दिया है, अब इसकी सेवा करने की तनख्वाह मैं नहीं ले सकता। उसी पैसे से बने कोष से ही कुछ वर्ष पहले एलयू में उमा-हरिकृष्ण अवस्थी सभागार का निर्माण किया गया। पं. हरिकृष्ण ने भाजपा, सपा और कांग्रेस तीनों सरकारों के कार्यकाल में काम किया। वह अकेले ऐसे कुलपति थे जिन्होंने खुलकर मुख्यमंत्री का विरोध भी किया। किस्सा यह है कि बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जब कारसेवकों को जेलों में बंद किया जा रहा था और लखनऊ जेल में जगह कम पड़ गई तो तत्कालीन सीएम मुलायम सिंह यादव ने आदेश दिया कि लखनऊ विवि को अस्थाई जेल बनाकर कारसेवकों को वहां रखा जाए। कुलपति पं. हरिकृष्ण अवस्थी ने इसका विरोध किया और कहा कि यह शिक्षा का मंदिर है, इसे जेल नहीं बनाया जा सकता। जब बात नहीं बनी तो वह रात 12 बजे मजिस्ट्रेट के घर से स्टे ऑर्डर लेकर आए और जेल नहीं बनने दिया। 'न दैन्यं न पलायनं' उनके जीवन का सिद्धांत था।

पं. हरिकृष्ण अवस्थी की पुत्री प्रो. आभा अवस्थी से बातचीत के आधार पर

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

महापुरुषों के विचारों का करें अनुसरण

विश्वविद्यालयों-कॉलेजों समेत तमाम शिक्षण संस्थानों में गांधी और शास्त्री जयंती पर हुए आयोजन

लखनऊ। शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में गांधी व शास्त्री जयंती पर विभिन्न आयोजन हुए। स्कूलों में जहां बच्चों को इन महापुरुषों के विचारों और आदर्शों का अनुसरण करने की सीख दी गई। वहीं विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सफाई अभियान समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद आजादी के अमृत महोत्सव के तहत पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई, जो गांधी प्रतिमा से लाल बहादुर छात्रावास तक गई। यहां शास्त्रीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना, डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, चीफ प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार आदि उपस्थित थे। वहीं विभिन्न छात्रावासों में एनएसएस ने सफाई अभियान भी चलाया। विधिक सहायता केंद्र लविवि व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संयुक्त रूप से रैली का आयोजन किया गया। साथ ही परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

लविवि कुलपति ने गांधी जयंती पर पदयात्रा को दिखाई हरी झंडी - संवाद

क्वांटिटी के मुकाबले क्वालिटी को महत्व देते थे प्रो. गोखले

लविवि के भौतिक विज्ञान विभाग में 100वें जन्मदिन पर आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से प्रो. भास्कर गंगाधर गोखले के 100वें जन्मदिन पर ऑनलाइन परिचर्चा हुई, जिसमें विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि आज के दिन दो अन्य महान विभूतियों का भी जन्म हुआ है।

उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान विभाग के अधिकतर छात्र अब एक्स-रे के क्षेत्र में एमएससी करना पसंद करते हैं। विज्ञान संकाय के डीन प्रो. बृजेंद्र सिंह ने कहा की प्रो. गोखले शोध में क्वांटिटी के मुकाबले क्वालिटी को अधिक महत्व देते थे। प्रो. गोखले के परिवार के सदस्यों ने भी उनकी यादों को साझा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. बीडी श्रीवास्तव, प्रो. बालक दास ने भी अपने विचार रखे। डॉ. नवीना वाधवानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 2 & 4

एलयू: गांधी जी के योगदान पर की चर्चा

लखनऊ यूनिवर्सिटी में आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में गांधी जयंती समारोह मनाया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और प्रशासनिक अधिकारियों व शिक्षकों ने पुष्पांजलि दी। इसके बाद कुलपति ने भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा और गति देने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान पर चर्चा की। वहीं, राष्ट्रीय सेवा योजना की लखनऊ विश्वविद्यालय इकाई की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर आयोजित पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. राकेश द्विवेदी ने बताया कि यह पदयात्रा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा से शुरू होकर एलयू मुख्य परिसर स्थित लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास तक गई। वहां कुलपति ने शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया किया।

जयंती पर याद किए गए प्रफेसर गोखले

■ **एनबीटी, लखनऊ:** भौतिक विज्ञान विभाग के ज्यादातर विद्यार्थी अब एक्स-रे के क्षेत्र में एमएससी करना पसंद करते हैं। एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कॉपी के नए आयामों को जानना विद्यार्थियों के लिए बेहद जरूरी है। यह बात भौतिक विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रफेसर पूनम टंडन ने कही। वह शनिवार को प्रफेसर भास्कर गंगाधर गोखले के 100वें जन्मदिवस पर विभाग में हुए ऑनलाइन कार्यक्रम में बोल रही थीं।

विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. वृजेंद्र सिंह ने कहा की प्रो. गोखले शोध में क्वॉलिटी बनाम क्वांटिटी को ज्यादा अहमियत देते थे। आरआर कैट के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. बीडी श्रीवास्तव ने एक्स-रे एमिशन स्पेक्ट्रोस्कॉपी पर अपनी बात रखी। प्रो. बालक दास ने एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कॉपी के नए आयामों की चर्चा की। इस दौरान प्रो.गोखले के परिवार के सदस्यों ने उनकी यादों को साझा किया।

एलयू में छात्रों ने पदयात्रा निकली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 152वीं जयन्ती समारोह को आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अन्य प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षकों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। कुलपति ने स्वाधीनता आन्दोलन को नई दिशा और गति देने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अप्रतिम योगदान की चर्चा की। महात्मा गांधी द्वारा चलाये गए सत्याग्रह आन्दोलन, स्वदेशी आन्दोलन, नमक सत्याग्रह आदि विभिन्न आन्दोलनों का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक समरसता का मार्ग प्रशस्त किया। कुलपति ने पदयात्रा को हरी झंडी दिखायी। पदयात्रा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा से प्रारंभ होकर लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास तक आयोजित की गई।

एलयू: प्रमाण पत्र के लिए आज बुलाए गए अभ्यर्थी

हिन्दुस्तान फॉलोअप

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के बीकॉम ऑनर्स, बीसीए और इंटीग्रेटेड एलएलबी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले कुछ अभ्यर्थियों को दो दिन पहले सीट एलॉट करने के बाद रद्द कर दी गईं। इन सभी को रविवार को सुबह 11 से दो बजे के बीच बुलाया गया है।

दरअसल जिन अभ्यर्थियों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अंतर्गत दाखिले के लिए आवेदन किया था लेकिन इसका प्रमाण पत्र सत्यापित नहीं कराया, उन सभी का सीट एलॉटमेंट रद्द कर दिया गया है। अब इन्हें रविवार को ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र सत्यापित करने के लिए बुलाया गया है। इस प्रक्रिया के बाद इन्हें सीट दोबारा एलॉट कर दी जाएंगी। उधर वे सभी छात्र-छात्राएं इस बात के लिए परेशान हैं कि शनिवार को दाखिले के लिए फीस जमा करने का आखिरी मौका था। अब जबकि उनका दाखिला अधर में फंस गया है तो इसके लिए आगे मौका मिलेगा या नहीं।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि चूंकि ये विशेष केस हो गए हैं इसलिए ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र सत्यापन के बाद जब इन्हें दोबारा सीट एलॉट की जाएगी तो फीस जमा करने का मौका भी दिया जाएगा। विवि का पूरा प्रयास है कि किसी छात्र का नुकसान न होने पाए।

i-NEXT PAGE 4 & 6

वेरीफिकेशन के लिए एलयू ने स्टूडेंट्स को आज बुलाया

ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन न होने से कैंसिल कर दी हैं अलॉट की गई सीटें

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (2 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बीकॉम ऑनर्स, बीसीए और इंटीग्रेटेड एलएलबी में एडमिशन लेने वाले कुछ स्टूडेंट्स को दो दिन पहले सीट अलॉट करने के बाद उसे कैंसिल कर दिया था. इन सभी स्टूडेंट्स को संडे सुबह 11 बजे से दो बजे के बीच सीपीएमटी बिल्डिंग स्थित एडमिशन सेल में बुलाया गया है.

ईडब्ल्यूएस में आवेदन

इन कोर्सेज में कुछ स्टूडेंट्स ने ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के तहत एडमिशन के लिए आवेदन किया था लेकिन इसका डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन नहीं कराया. इसी कारण इनकी अलॉट सीट कैंसिल की गई. अब इन्हें संडे को ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन करने के लिए बुलाया गया है. इस प्रक्रिया के बाद इन्हें सीट दोबारा अलॉट की जाएगी.

स्टूडेंट्स परेशान हैं

ये सभी स्टूडेंट्स परेशान हैं कि शनिवार को एडमिशन के लिए फीस जमा करने का आखिरी मौका था. अब उन्हें इसका मौका मिलेगा कि नहीं. इस बारे में प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह स्पेशल केस है इसलिए ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन के बाद जब इन्हें दोबारा सीट अलॉट की जाएगी तो फीस जमा करने का मौका भी दिया जाएगा.

बीफॉर्मा की सौ सीटों पर होगा एडमिशन

LUCKNOW (2 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने इस सेशन से फैकल्टी ऑफ फार्मेसी डिपार्टमेंट की शुरुआत की है. इस डिपार्टमेंट का नाम भैषजिक विज्ञान संस्थान रखा गया है. डिपार्टमेंट का संचालन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के तहत सीतापुर रोड स्थित सेकंड कैंपस में किया जाएगा. यहां स्टूडेंट्स के लिए हॉस्टल की भी सुविधा है.संस्थान एकेडमिक सेशन 2021-22 से बीफार्म की 100 सीटें यूपी सेट के माध्यम से एकेटीयू की काउंसिलिंग से और डीफार्म की 60 सीटें एंट्रेंस एग्जाम से भरी जाएंगी. संस्थान को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता है, जिससे यहां के स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित हो गया है.एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अगले साल संस्थान में पीजी इन एमफॉर्म और पीएचडी कोर्सेज की शुरुआत होगी. इन कोर्सेज के शुरू होने से फार्मेसी जैसे महत्वपूर्ण विषयों में गुणवत्ता पूर्ण पढ़ाई और रिसर्च होगा.

आज से डॉक्यूमेंट अपलोड करें

LUCKNOW (2 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एकेडमिक सेशन 2021-22 के पीजीईटी एडमिशन की प्रक्रिया पूरा करने के लिए स्टूडेंट्स को 3 से 5 अक्टूबर तक यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के एडमिशन पेज के पीजी प्रोग्राम में जाकर लॉगइन आईडी से डॉक्यूमेंट अपलोड करने को कहा है. जो डॉक्यूमेंट मांगे गए हैं उनमें ग्रेजुएशन के मार्क्स, मार्कशीट, ओबीसी सर्टिफिकेट, एससी-एससी सर्टिफिकेट, जीरो फीस के लिए आय प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं.

JAGRAN CITY PAGE I

गांधी जयंती पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से निकाली गई यात्रा ● जागरण